9

एकात्मक स्तोत्र - एकता का गीत

एक देश का निर्माण उसके लोगों, भौतिक विशेषताओं, समाज में स्थापित संस्कृति और नैतिक मूल्यों से होता है। संस्कृति तथा नैतिक मूल्य विकसित, संवंर्धित किये जाते हैं और एक स्थान से दूसरे स्थान तक समागम होते रहते हैं। ये मूल्य, विशेष प्राकृतिक परिवेश, इसके लोगों और मार्गदर्शकों (नेताओं) द्वारा किये जाने वाले उत्तम कार्य आने वाली पीढ़ियों के लिए प्रेरणादायक बन जाते हैं। एकात्म स्तोत्र प्रकृति, पर्वतों, नदियों, महान मार्गदर्शकों तथा भारतीय समाज के मूल्यों को लेकर श्लोकों का संग्रह है। यह पाठ पढ़ कर आपको अपने देश पर गर्व महसूस होगा।

उद्देश्य

यह पाठ पढ़ने के बाद आप सक्षम होंगे-

- एकात्म स्त्रोत के सभी 28 श्लोकों का उच्चारण कर पाने में;
- इस भूमि की महान परम्पराओं को पहचान पाने में;
- प्रकृति का सौंदर्य और लोगों का उससे जुडाव के महत्व को जान पाने में; और
- हमारे देश के समृद्ध साहित्य को समझ पाने में।

एकात्मक स्तोत्र – एकता का गीत

9.1 एकात्म स्तोत्र – 1 से 20 श्लोक

क्या आपको अपने आप पर गर्व नहीं? अपने माता पिता पर? लोगों पर? राष्ट्र पर? समाज और देश पर? एक राष्ट्र के रूप में हमारे पास याद रखने लायक महान चीजें हैं। हम सामाजिक विज्ञान में इतिहासिक घटनाओं का अध्ययन करते हैं। यहां पर हमारे देश के वृहत परिदृश्य को इन श्लोकों में समाहित कर दिया गया है। यह एकात्म–स्तोत्र कहलाता है। अर्थात एकता का गीत।

1- Å lfPpnkun:ik; uekLr| ijekReuA
T;kfrel;Lo:ik; foÜoekxY;erl;AA1AA

सत्य, चित्त और आन्नद स्वरूप, प्रकाशमय स्वरूप वाले विश्व कल्याण के मूर्ति रूप परमात्मा को मैं नमन करता हूँ।

2- çdfr% ipHkrkfu xgk ykdk% LojkLrFkkA
fn'k% dky'p lo"kk lnk dqoUr| exyeAA2AA

प्रकृति, पंचभूत (पृथ्वी, जल, अग्नि, वायु व आकाश) ग्रह, संगीत के साथ सुर, दस दिशायें और सभी काल (भूत, वर्तमान, भविष्य) सदैव कल्याणकारी हो।

3- jRukdjkèkkrink fgeky;fdjhfVuheA
cãjktÆ"kjRuk<îk oUn Hkkjrekrje AA3AA

रत्नों का भण्डार, समुद्र, जिसके पैर पखारता हो, हिमालय जिनका भूकोट है, ब्रह्म ऋषि, राज्य ऋषि जिनके पुत्र है उस भारत माता को मैं नमन करता हूँ।

4- egUæk ey;% lák norkRek fgeky;%A
è;k;ks jorrdk foUè;k fxfj'pkjkofyLrFkkAA4AA4.

महेन्द्र गिरि, मलय गिरि, संह्यद्रि देव आत्म रूप स्वरूप में हिमालय, शैवतक, विंध्याचल और अमरावती को हम सदा अपने हृदय में धारण करें।

5- xxk ljLorh flUèk% cãi=‘p x.MdhA
dkojh ;eguk jok d".kk xknk egkunhAA5AA

गंगा, सरस्वती, सिंघु, बह्मपुत्र, गण्डकी, कावेरी, यमुना, रेवा (नर्मदा), कृष्णा, गोदावरी और महानदी को हम सदा अपने हृदय में धारण करें।

6- v;kè;k eFkqjk ek;k dk'khdkph vofUrdkA
o'kkyh }kfjdk è;k;k iqjh r{kf'kyk x;kAA6AA

7- ç;kx% ikVyhi= fot;kuxj egrA
bUæçLFk lkeukFk% rFkkerlj% fç;eAA7AA

अयोध्या, मथुरा, माया, काशी, कांची, अवन्तिका, वैशाली, द्वारिका, पुरी, तक्षशिला, गया, प्रयाग, पाटलिपुत्र, विजयनगर, इन्द्रप्रस्थ, सोमनाथ और अमृतसर जैसे पवित्र तीर्थ स्थलों के हम हृदय में धारण करें।

8- proknk% ijk.kkfu lokifu"knLrFkkA
jkek;.k Hkkjrp xhrk lí'kukfu pAA8AA

9- tukxekfL=fiVdk% x#xUFk% lrk fxj%A
,"k% Kkufufèk% J"B% J);% âfn lonkAA9AA

चारों वेद, अठारह पुराण, सभी उपनिषद्, रामायण, महाभारत, गीता और छः

दर्शन, जैन शस्त्र, आगम बौद्धधर्म के मिपिटक और संतों की वाणी, गुरु ग्रंथ साहिब जैसे ज्ञान के भंडार उत्तम वन्दनीय ग्रंथों को हम सदा हृदय में धारण करें।

10- v#UèkR;ul;k p lkfo=h tkudh lrhA |
ækinh d..kxh xkxÊ ehjk nxkorh rFkkAA10AA

11- y{ehjgY;k pUuEek #æekEck lfoØekA
fuofnrk lkjnk p ç.kE;k ekrnorkAA11AA

अरुंधती, अनुसूया, सावित्री, जानकी, सती, द्रोपदी, कष्णनी, गार्गी, मीरा, दुर्गावती, लक्ष्मीबाई, अहिल्या बाई होलकर, कलेडी की चनम्मा, और कित्तुर की चनम्मा, रुद्रमाम्बा, निवेदिता और शारदादेवी जैसे मातृ देवियों को मेरा प्रणाम है।

12- Jhjkek Hkjr% d".kk Hkh"ek èkeLrFkk tu%A
ekdM;k gfj'pUæ% ç°yknk ukjnk èko%AA18AA

13- gueku tudk 0;kl ofl"B'p 'kdk cfy%A
nèkhfpfoÜodek.kk iFkokYehfdHkkxok%AA13AA

14- HkxhjFk'pdy0;k euèkUoUrfjLrFkkA
f'kfc'p jfUrno'p ijk.kknxhrdhr;%AA14AA

श्रीराम, भरत, कृष्ण, भीम, धर्मराज युधिष्ठिर, अर्जुन, मार्कंडेय, सत्यवादी हरिश्चन्द्र, भक्त प्रहलाद, नारद, ध्रुव, हनुमान, जनक, व्यास, वशिष्ठ, शुकदेव, बलि, दधीचि, विश्वकर्मा, राजा पृथु, वाल्मीकि, भृंगुवंशी परशुराम, भगीरथ, एकलव्य, मनु, धनवंतरि और रतिदेव जिनकी महिमा का गुणगान पुराणों में किया गया है।

15- c)k ftuUæk xkj{k% ikf.kfu'p irtfy%A
'kdjk eèoçuckdk JhjkekuqtoYyHkkAA15AA

भगवान बुद्ध, महावीर, योगी गोरखनाथ, पाणिनि, पतज्जलि, शंकराचार्य, माध वाचार्य, निम्बाकाचार्य, श्रीरामानुज, रल्लभाचार्य और....।

16- >yykykFk prU;% fr#oYyojLrFkkA
uk;Uekjkyokjk'p dc'p cloUoj%AA16AA

झूलेलाल (सिंधी हिन्दुओं के महान रक्षक), चैतन्य महाप्रभु, तिरूवल्लुवर, नयन्नाड़, अल्वर, कंबन (तमिल के रामायण कवि) वसवेश्वर ...।

17- noyk jfonkl'p dchjk x#ukud%A
ujflLry lhnklk n'ke'kk í<or%AA17AA

महर्षि देवल, संत रविदास, कबीर, गुरु नानक, भक्त नरसी मेहता, तुलसीदास, दृढ निश्चयी दशम गुरु गोबिन्द सिंह...।

18- Jher 'kdjno'p cèk lk;.kekèkokA
KkuÜojLrdkjkek jkenklk% ijUnj%AA18AA

शंकरदेव (असम के वैष्णव संत), सायण, और माधवाचार्य, संत ज्ञानेश्वर, तुकाराम, समर्थ गुरु रामदास, पुरंदरदास....।

19- fcjlk lgtkuUnk jkekuUnLrFkk egkuA
forjUr lnor nOÈ lnx.kliineAA19AA

निरसा मुंडा, स्वामी सहजानंद और स्वामी रामानंद आदि महापुरुष हममें दैविक गुणों को स्थापित करें।

20- Hkjr✓"k% dkfynkl% JhHkkstk td.kLrFkkA
ljnklLR;kxjkt% jl[kku'p lRdfo%AA20AA

भरतमुनि, कवि कालिदास, श्रीभोजराज, ( ) हिन्दी कवि भक्त सूरदास, भक्त त्यागराज और कविश्रेष्ठ रसखान।

पाठगत प्रश्न 9.1

1. जीवन के पांच तत्वों के नाम बताइये।
2. हमारे देश की पांच पर्वतमालाओं के नाम लिखिए।
3. भारत की पांच नदियों के नाम लिखिए।
4. भारत की पांच पवित्र नदियों के नाम लिखिए।
5. भारत की पांच महान नारियों के नाम लिखिए।

9.2 एकात्म स्तोत्र – 21 से 30 श्लोक

21- jfooekZ HkkriZkMs HkkX;pUæ% l Hkwifr%A
dykoUr'p fo[;krk% Lej.kh;k fujUrjeAA21AA

रविवर्मा (महान चित्रकार), भातखंड (संगीतकार), भाग्यचन्द्र (मणिपुर के राजा) जैसे कलाकार नित्य समरणीय हैं।

22- vxLR;% dEcqdkSf.MU;kS jktsUæ'pksyo'kt%A
v'kksd% iq';fe='p [kkjoy% lquhfrekuAA22AA

अगस्त्य, कम्बु, कौण्डिल, चोल वंश के राजा राजेन्द्र, सम्राट अशोक, पुण्यमित्र (शुंग राजवंश के संस्थापक), कलिंग के नीतिज्ञ राजा खाखेल....।

टिप्पणी

23- pk.kD;pUæxIrk p foØe% 'kkfyokgu%A
leæxIr% Jhg"k% 'kyæk clijkoy%AA23AA

चाण्क्य और चन्द्रगुप्त, विक्रमादित्य, शाल्विाहन, समुद्रगुप्त, हर्षवर्धन, राजा शैलन्द्र, बापा रावल....।

24- ykfpnHkkLdjoek p ;'kkèkek p g.kftrA
Jhd".knojk;'p yfyrkfnR; mncy%AA24AA

लिच्छवी राजा भास्कतवर्मा, हूणों के विजेता यशोधर्म, श्रीकृष्णदेव राय (विजय नगर साम्राज्य के महान राजा), ललितादित्य (एक महान योद्धा)....।

25- elufjuk;dk rk çrki% f'koHkifr%A
j.kftr çlg bR;r ohjk fo[;krfoØek%AA25AA

मुलून आदिनायक (प्रोलय नायक, कम्पा नायक), महाराणा प्रताप, छत्रपति शिवाजी और महाराजा रणजीत सिंह आदि वीर योद्धा हम में वीरता (बल) का संचार करें।

26- oKkfudk'p dfiy% d.kkn% lJrLrFkkA
pjdk HkkLdjkpk;k ojkgfefgj% lèkh%AA26AA

प्रसिद्ध वैज्ञानिकों में कपिल, कणाद, सुश्रुत (महान सर्जन), चरक, भास्कराचार्य, तीक्ष्ण बुद्धियुक्त वराहमिहिर....।

27- ukxktZuk Hkj}kt% vk;ZHkêk olqcèk%A
è;s;k oSdVjke'p foKk jkekuqtkn;%AA27AA

नागार्जुन, भारद्वाज, आर्यभट्ट, जगदीश चन्द्र बसु, सी.वी. रमन और रामानुजन आदि वैज्ञानिक हमारे ध्यायनीय हैं।

28- jked".kks n;kuUnks joÈæks jkeeksgu%A
jkerhFkksZ-jÇon'p foosdkuUn m|'kk%AA28AA

श्रीरामकृष्ण परमहंस, स्वामी दयानंद, रवीन्द्र नाथ टैगोर, राजा राम मोहनराय, स्वामी रामतीर्थ, महर्षि अरविंद तथा स्वामी विवेकानंद जिन्होंने समाज में पुनर्रुद्धार कर जनजागरण का संचार किया।

29- nknkHkkÃ xksicèkq% frydks xkfUèkjkíRk%A
je.kks ekyoh;'p Jh lqcã.;Hkkjrh AA29AA

दादाभाई नैरोजी, गोपबन्धु दास, बाल गंगाधर तिलक, महात्मा गांधी जैसे समाज सुधारक, महर्षि रमण, महामना मदन मोहन मालवीय, तमिल कवि सुब्रह्मण्यम भारती...।

30- lqHkk"k% ç.kokuan% Økfrohjks fouk;d%A
Bôjks Hkhejko'p Qqys ukjk;.kks xq#%AA30AA

नेताजी सुभाष चन्द्र बोस, स्वामी प्रणवानंद, महान क्रान्तिवीर विनायक दामोदर सावरकर, ठक्कर बप्पा, महान भीमराव अम्बेडकर, महात्मा ज्योतिराब फूले, नारायण गुरु जैसे क्रान्ति का श्रीगणेश करने वाले....।

31- l?k'kfäç.krkjk d'kok ekèkoLrFkkA
Lej.kh;k lnSokr uopSrU;nk;dkAA31AA

और एकता की शक्ति का सूत्रपात करने वाले केश्व और माधव अर्थात् श्री हेडगेवार और गुरुजी गोलवास्कर जो नयी चेतना का संचार करने वाले सदा स्मरणीय हैं।

32- vuqäk ;s Hkäk% çHkqpj.klalään;k% vfufnZ"Vk ohjk% vfèklejejq)oLrfjio%A
lektks)rkj% lqfgrdjfoKkufuiq.kk% ueLrsH;ks Hkw;kr~ ldylqtusH;% çfrfnueAA32AA

प्रभु चरणों से संसक्त हृदय अर्थात प्रेम करने वाले, युद्ध में शत्रुओं के स्वप्नों को ध्वस्त करने वाले अनेक वीर, महान समाजक उद्धारक, कल्याण करने वाले वैज्ञानिक एवं समस्त सज्जनों को जिनके बारे में यहां उल्लेख नहीं किया गया है। (अनुक्त) उन सभी को मैं नमन करता हूँ।

33- bnedkRerkLrks=a J)k;k ;% lnk iBsrA
l jk"Vèkesfu"Bkoku v[kaMa Hkkjra LejsrAA33AA

जो इस एकात्मता स्तोत्र का श्रद्धापूर्वक पाठ करता है वह राष्ट्र धर्म में निष्ठावान होकर अखंड भारत का स्मरण करता है।

पाठगत प्रश्न 9.2

1. भारत के पाँच वीर योद्धाओं का नाम बताईये।
2. भारत के पाँच महान वैज्ञानिकों का नाम बताईये।
3. भारत के पाँच समाज सुधारकों के नामों की सूची बनाईये।

आपने क्या सीखा

- आज की तिथियों में हम राष्ट्र ( ) में बहुत सी स्मरणीय चीजें रखते हैं।
- हम हमारी मातृभूमि, पर्वतों तथा पवित्र नदियों का सम्मान करते हैं।
- भारत के श्रेष्ठ लेखकों, महान योद्धओं, महान कलाकारों तथा कवियों, प्रसिद्ध वैज्ञानिकों, श्रेष्ठ राजनेताओं तथा समाज सुधारकों की जन्मस्थली है।
- हमें समाज और राष्ट्र को दिये गये उनके योगदान को याद रखना चाहिए।
- इनके अलावा भी बहुत से ऐसे अनजान लोग हैं जिनका बहुत योगदार रहा है। हालांकि उनका योगदान इतिहास में दर्ज नहीं है। हमें उनके कार्यों का सम्मान करना चाहिए और सदैव उनके प्रति कृतज्ञ रहना चाहिए।

पाठांत प्रश्न

1. हम पर सदा किसकी कृपा बनी रहनी चाहिए?
2. राजा रवि वर्मा कौन थे।
3. समाज के प्रति दिये गये अनजान लोगों के योगदान को हमें क्यों याद रखना चाहिए।

उत्तरमाला

9.1

1. आग, जल, वायु, पृथ्वी और आकाश।
2. महेन्द्र, मलयगिरि, सहयाद्रि, हिमालय, रैवतक, विन्ध्याचल, अरावली (कोई पाँच)

3. गंगा, सरस्वती, सिंधु, ब्रह्मपुत्र, गण्डकी, कावेरी, यमुना, रेवा, कृष्णा, गोदावरी तथा महानदी (कोई पाँच)

4. चार वेद, 18 पुराण, सभी उपनिषद, रामायण, महाभारत, गीता, षड्दर्शन, आगमग्रन्थ, त्रिपिटक ग्रंथ, गुरु ग्रंथ साहिब (कोई पाँच)

5. अरुंधति, अनुसूया, सावित्री, जानकी, सती, द्रोपदी, कन्नवी, गार्गी, मीरा, दुर्गावती, लक्ष्मीबाई, अहिल्या बाई होलकर, चेन्वामा, रुद्रामम्वा, बहन निवेदिता तथा मां शारदा (कोई पाँच)

9.2

1. चाण्क्य, चन्द्रगुप्त, विक्रमादित्य, शालिवाहन, समुद्रगुप्त, हर्षवर्धन (अन्य भी)

2. कपिला, सुश्रुत, चरक, भास्कराचार्य, वराहामिहिर (अन्य भी)

3. श्री रामकृष्ण परमहंस, स्वामी दयानंद, रविन्द्र नाथ टैगोर, राजा राम मोहन राय, भीमराब अम्बेडकर (अन्य भी)